



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 759]

नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 25, 2014/चैत्र 4, 1936

No. 759]

NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 25, 2014/CHAITRA 4, 1936

गृह मंत्रालय

(आंतरिक सुरक्षा-I प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 मार्च, 2014

का.आ. 888(अ).—जबकि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण अधिनियम, 2008 (2008 का 34), जिसे इसमें इसके बाद उक्त अधिनियम कहा गया है, की धारा 11 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने दिनांक 15 दिसम्बर, 2009 को भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड-3, उप-खंड (ii) में प्रकाशित दिनांक 14 दिसम्बर, 2009 की अधिसूचना सं. का. आ. 3205 (अ) के तहत कोच्चि स्थित विशेष न्यायाधीश के विशेष न्यायालय-II, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, केरल को उक्त अधिनियम की धारा 11 की उक्त उप-धारा (1) के प्रयोजनों के लिए विशेष न्यायालय अधिसूचित किया गया था जिसका क्षेत्राधिकार अनुसूचित अपराधों के विचारण हेतु पूरे केरल राज्य पर था।

और जबकि, दिनांक 22 अगस्त, 2012 को भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (ii) में प्रकाशित दिनांक 22 अगस्त, 2012 की अधिसूचना सं. का. आ. 1949 (अ) के तहत श्री एस. विजय कुमार, विशेष न्यायाधीश, (एसपीई/सीबीआई)-II/अपर जिला न्यायाधीश-IV, इर्नाकुलम को उक्त विशेष न्यायालय की अध्यक्षता करने के संबंध में न्यायाधीश नियुक्त किया गया था और वह

अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने के पश्चात दिनांक 30 अप्रैल, 2013 को सेवानिवृत्त हो गए हैं।

और जबकि, केरल उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की संस्तुति के आधार पर श्री एस. विजय कुमार का कार्यकाल दिनांक 29 अप्रैल, 2013 की अधिसूचना संख्या का. आ. 1071(अ) के तहत एक मई, 2013 से 6 माह की अवधि अथवा राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण का मामला संख्या 02/2010/एनआईए/डीएलआई का निपटान होने, इसमें से जो भी पहले हो, तक बढ़ाया गया था और उक्त मामले का निर्णय दिनांक 03 अक्टूबर, 2013 को हो चुका है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 11 की उप-धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और दिनांक 22 अगस्त, 2012 की अधिसूचना संख्या का. आ. 1949 (अ) और दिनांक 29 अप्रैल, 2013 की सं. का. आ. 1071 (अ) के अधिक्रमण में, सिवाय उन बातों के जो इस अधिक्रमण के पूर्व कारित या छोड़ दी गई थीं, केन्द्रीय सरकार केरल उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश की संस्तुति पर श्री के. एम. बालाचन्द्रन, विशेष न्यायाधीश (एस पी ई/सीबीआई)-II/अपर जिला न्यायाधीश-II, इर्नाकुलम को उक्त विशेष न्यायालय की अध्यक्षता के संबंध में न्यायाधीश नियुक्त करती है।

[फा.सं. 17011/50/2009-आई एस-IV (पार्ट 4)]

राकेश सिंह, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(INTERNAL SECURITY-I DIVISION)

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th March, 2014

S.O. 888 (E).— Whereas, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the National Investigation Agency Act, 2008 (34 of 2008), hereinafter referred to as the said Act, the Central Government had, vide notification number S. O. 3205 (E), dated the 14th December, 2009, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 15th December, 2009, notified the Special Court-II of the Special Judge, Central Bureau of Investigation, Kerala at Kochi as the Special Court for the purposes of said sub-section (1) of section 11 of the said Act, having Jurisdiction throughout the State of Kerala for the trial of Scheduled Offences;

And whereas, Shri S. Vijayakumar, Special Judge, (SPE/CBI)-II/Additional District Judge-IV, Ernakulam, was appointed as the Judge to preside over the said Special Court *vide* notification number S. O. 1949 (E), dated the 22nd August, 2012, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 22nd August, 2012, and he retired on 30th

April, 2013 after attaining the age of superannuation;

And whereas, on the recommendations of the Chief Justice of High Court of Kerala, the term of Shri S. Vijayakumar was extended, vide notification number S. O. 1071(E), dated 29th April, 2013 for a period of six months from 1st May, 2013 or till the disposal of the National Investigation Agency's Case No. 02/2010/NIA/DLI whichever was earlier and the said case has been decided on 3rd October, 2013;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 11 of the said Act, and in supersession of said notifications number S. O. 1949 (E), dated the 22nd August, 2012, and number S. O. 1071. (E) dated 29th April, 2013, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government, on the recommendation of the Hon'ble Chief Justice of the High Court of Kerala, hereby appoints Shri K. M. Balachandran, Special Judge (SPE/CBI)-II/Additional District Judge II, Ernakulam as the Judge to preside over the said Special Court.

[F. No. 17011/50/2009-IS.IV (Pt. 4)]

RAKESH SINGH, Jt. Secy.